भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 01 | अंक - 361 | बिजौलिया - शनिवार, 18 जुलाई ,2026 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4 | WWW.BHILWARAFOCUS.COM

सरकार ने आरक्षण तय नहीं किया, इसलिए अटके निकाय-पंचायत चुनावः राज्य निर्वाचन आयोग

हाईकोर्ट में आयोग ने सरकार को ठहराया जिम्मेदार, कहा- आरक्षण मिलते ही दो दिन में चुनाव की घोषणा कर देंगे

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

प्रदेश में पंचायतीराज संस्थाओं और शहरी निकायों के चुनाव में हो रही देरी को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने पहली बार स्पष्ट रूप से राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। राजस्थान हाईकोर्ट में अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने कहा कि आयोग चुनाव कराने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन सरकार ने अब तक एससी, एसटी और महिलाओं के लिए आरक्षण तय नहीं किया है। ऐसे में चुनाव कार्यक्रम घोषित करना संभव नहीं है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए राज्य निर्वाचन आयुक्त ने अदालत को बताया कि आयोग ने मतदाता सूची तैयार कर ली है, चुनाव के लिए आवश्यक ईवीएम की व्यवस्था भी कर ली गई है और बाकी सभी तैयारियां पूरी हैं। केवल वार्डों और अध्यक्ष पदों के आरक्षण की प्रक्रिया लंबित होने से चुनाव घोषणा अटकी हुई है। उन्होंने कहा कि आयोग ने आरक्षण प्रक्रिया पूरी कराने के लिए पंचायतीराज विभाग और स्वायत्त शासन विभाग को तीन-तीन सहित कुल छह पत्र भेजे हैं। विभागों की ओर से बताया गया है कि ओबीसी आयोग की रिपोर्ट 14 अगस्त तक मिलेगी, जिसके बाद 21 अगस्त तक आरक्षण की लॉटरी निकालकर प्रक्रिया पूरी की जाएगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने अदालत में स्पष्ट किया कि आयोग दो दिन के भीतर चुनाव कार्यक्रम घोषित करने की स्थिति में है, लेकिन बिना आरक्षण तय हुए यह तय करना संभव नहीं कि किस वार्ड से किस वर्ग का प्रत्याशी

चुनाव लड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि हाईकोर्ट के पूर्व आदेश के अनुसार ओबीसी आयोग की रिपोर्ट के बिना भी चुनाव कराए जा सकते हैं, लेकिन एससी, एसटी और महिलाओं का आरक्षण तय करना राज्य सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है।

हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी

इस मामले में पूर्व विधायक संयम लोढ़ा की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सरकार, राज्य निर्वाचन आयोग और ओबीसी आयोग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। अदालत ने कहा कि जब पहले ही 31 जुलाई तक चुनाव कराने के निर्देश दिए जा चुके हैं तो फिर 14 अगस्त तक रिपोर्ट आने की बात कैसे स्वीकार की जा सकती है। हाईकोर्ट ने निर्देश दिए कि अगली सुनवाई में आरक्षण की लॉटरी, चुनाव कार्यक्रम और ओबीसी आयोग की रिपोर्ट की स्पष्ट समय-सीमा जुलाई माह के भीतर बताई जाए। अदालत ने यह भी कहा कि 14 अगस्त तक इंतजार नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि राज्य निर्वाचन आयोग चुनाव कराने में सक्षम नहीं है तो अदालत किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की नियुक्ति कर चुनाव भी करवा सकती है।

भीलवाड़ा में सट्टे के रुपयों के लेनदेन के विवाद में युवक का अपहरण, तीन जगह ले जाकर बेरहमी से करी मारपीट,हाथ पैर तोड़े

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

पुनित चपलोत

शहर में पुराने मिलन टॉकीज के यहां सट्टे के रुपयों की लेनदेन को लेकर अपहरण और मारपीट का मामला सामने आया है। जहां दो बदमाशों ने एक युवक का अपहरण कर लिया और बाद में तीन अलग-अलग जगहों पर ले जाकर उसके साथ गंभीर मारपीट की और बाद में उसे घायल अवस्था में सड़क पर छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद घायल को भीलवाड़ा के महात्मा गांधी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है जहां उसका इलाज जारी है। प्रारंभिक तौर पर मारपीट रुपए के सट्टे के रुपयों की लेनदेन के चलते होना सामने आया है।

घायल नवीन खोतानी ने मीडिया को अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि मिलन टॉकीज के यहां पर मैं पान की केबिन के पास खड़ा हुआ था तभी इस दौरान पुसा लाल आया उसने मुझसे कहा कि रोहित सेन तुझे बुला रहा है इस पर मैं उनके पास गया तो वह लोग मुझे जबरन गाड़ी में बैठा कर अपने साथ

लेकर गए। जहां उन्होंने मेरे साथ तीन अलग-अलग जगह पर मारपीट की और बाद में वह मुझे मिलन टॉकीज के यहां घायल अवस्था में छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद मेरे दोस्त आए और मुझे एमजी अस्पताल में इलाज के लिए लेकर आए। वहीं रोहित सेन से पुराने रुपयों को लेकर विवाद चल रहा था जिसके लिए उसने मेरे साथ मारपीट की है। मैं रोहित को पूरा पेमेंट दे चुका हूं लेकिन इसके बावजूद भी वह मुझे जुआ - सट्टा का कह कर 5 लाख और मांग रहा है। वह मुझसे डेढ़ लाख रुपये मांगता था जिसके बदले में उसे 2 लाख 90 हजार दे चुका हु। इसके बाद भी मुझसे वह 2 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग कर रहा हैं। इस बात को लेकर उसने मुझसे मारपीट की और मुझे धमकी भी दे रहा हैं।

आस्था का महापर्व- भीलवाड़ा में आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज का आगमन कल

दस साल बाद ऐतिहासिक चातुर्मास, शहरभर में भव्य तैयारियां

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा,

मूलचन्द पेसवानी

अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर, जगद्गुरु आचार्य स्वामी श्रीरामदयालजी महाराज का वर्ष 2026 का पावन 'विश्व शांति कल्याण चातुर्मास' रविवार, 19 जुलाई से भीलवाड़ा की पावन धरा पर शुभारंभ होगा। लगभग दस वर्ष बाद माणिक्यनगर रामद्वारा में आयोजित हो रहे इस चातुर्मास को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह है। शहर में जगह-जगह स्वागत की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और सर्व समाज के लोग आचार्यश्री की मंगलमय पधारावणी की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

विश्व शांति कल्याण चातुर्मास समिति के तत्वावधान में आयोजित इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन को भव्य बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। आचार्यश्री की मंगलमय पधारावणी रविवार सुबह 8:30 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ होगी। शोभायात्रा प्रारंभ होने से पूर्व स्टेशन चौराहे पर वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद एवं सर्व समाज द्वारा महाआरती के साथ आचार्यश्री का भावपूर्ण स्वागत किया जाएगा।

शोभायात्रा की शोभा बढ़ाने के लिए सबसे आगे हाथी, घोड़े, ऊंट, छत्र-चंवर एवं शाही लवाजमा शामिल रहेगा। मार्ग में 108 भव्य स्वागत द्वार बनाए गए हैं तथा श्रद्धालुओं पर ड्रोन के माध्यम से पुष्पवर्षा की जाएगी। उज्जैन की प्रसिद्ध महाकाल आरती की प्रस्तुति देने वाला दल भी शोभायात्रा का विशेष आकर्षण रहेगा। संपूर्ण मार्ग को आकर्षक रंगोलियों, स्वागत तोरणों और अभिनंदन बैनरों से सजाया गया है।

शोभायात्रा गजाधर मानसिंहका धर्मशाला (रेलवे स्टेशन रोड) से प्रारंभ होकर सरकारी दरवाजा, गोल प्याऊ, बालाजी मार्केट, सूचना केंद्र चौराहा, गांधी बाजार, भीमगंज थाना चौराहा होते हुए माणिक्यनगर रामद्वारा पहुंचेगी, जहां चातुर्मास का शुभारंभ होगा।

इस आयोजन में देशभर से रामस्नेही सम्प्रदाय के संत, महात्मा एवं हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सभी समितियां अपने दायित्वों के निर्वहन में पूरी निष्ठा के साथ जुटी हुई हैं।

चातुर्मास में होंगे आध्यात्मिक और धार्मिक आयोजन

विश्व शांति कल्याण चातुर्मास के दौरान आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज के सान्निध्य में धर्म, अध्यात्म और सनातन संस्कृति की अविरल धारा प्रवाहित होगी। प्रतिदिन प्रातः 5 से 6 बजे तक रामधुनी, 8 से 8:30 बजे तक वाणीजी का पाठ तथा 8:30 से 9:30 बजे तक आचार्यश्री के प्रवचन होंगे। प्रतिदिन सूर्यास्त के समय संध्या आरती का आयोजन भी किया जाएगा। चातुर्मास के प्रमुख आयोजनों में 29 जुलाई को गुरुपूर्णिमा महोत्सव, 13 से 20 सितम्बर तक पूज्य वाणीजी प्रवचन एवं भागवत ज्ञान महोत्सव, 25 सितम्बर को आचार्यश्री अवतरण महोत्सव, 26 सितम्बर को अवतरण आनंदोत्सव, 15 अक्टूबर को पंचमी गोटकाजी की भव्य शोभायात्रा तथा 22 अक्टूबर को चातुर्मास समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

धर्म, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना से ओतप्रोत यह चातुर्मास न केवल रामस्नेही सम्प्रदाय बल्कि समूचे भीलवाड़ा जिले के लिए आस्था और संस्कृति का एक ऐतिहासिक पर्व बनने जा रहा है। श्रद्धालुओं में इसे लेकर विशेष उत्साह और उल्लास का वातावरण है।

छापरेल में अवैध क्लिनिक और सरकारी भूमि पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों का फूटा आक्रोश, कलेक्ट्रेट पर उग्र प्रदर्शन,सौंपा ज्ञापन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

पुनित चपलोत

कोटड़ी तहसील के ग्राम छापरेल में सरकारी भूमि और धार्मिक नाड़ी पर हो रहे अवैध अतिक्रमण व बिना लाइसेंस चल रहे क्लिनिक को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। इस संबंध में ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि छापरेल निवासी बंगाली डॉक्टर ने चामुंडा माताजी की धार्मिक नाड़ी की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर पक्का निर्माण कर लिया है। अतिक्रमणकारी ने न केवल वहां चार दुकानें बना ली हैं, बल्कि पीछे की करीब एक बीघा सरकारी भूमि पर भी अवैध कब्जा कर रास्ता निकाल लिया है। वर्तमान में वह इन दुकानों को किराए पर देकर अनुचित लाभ कमा रहा है। इसके अलावा, वह लंबे समय से बिना किसी वैध लाइसेंस के गांव में अवैध रूप से क्लिनिक भी संचालित कर रहा है। शिकायत करने पर अतिक्रमणकारी प्रभावशाली और राजनीतिक पहुंच का हवाला देकर ग्रामीणों को धमकियां दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में कई बार शिकायत के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि सात दिवस के भीतर इस अवैध क्लिनिक को बंद नहीं किया गया और अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो वे तहसील व जिला स्तर पर उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

स्वच्छता के दावों पर कचरे का करारा तमाचा

भीलवाड़ा के सबसे बड़े ट्रेवल्स हब के पीछे बना अवैध डंपिंग यार्ड, निगम की लापरवाही से सड़ रहा शहर

100 फीट तक फैला कचरा, दुर्गंध से बेहाल व्यापारी-यात्री; प्लास्टिक खा रहा गोवंश, शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नही

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

पुनीत चपलोत

एक तरफ सरकार और नगर निगम शहर को स्वच्छ बनाने के दावे करते नहीं थकते, दूसरी तरफ भीलवाड़ा के सबसे बड़े ट्रेवल्स हब लैंडमार्क होटल के पीछे का नजारा इन दावों की सच्चाई बयां कर रहा है। यहां सड़क किनारे और पार्क से सटे खुले मैदान में पिछले लंबे समय से कचरे का विशाल ढेर लगा हुआ है। हालात ऐसे हैं कि पूरा इलाका दुर्गंध से भर गया है और यह स्थान धीरे-धीरे अवैध डंपिंग यार्ड में तब्दील होता जा रहा है।

स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहन निर्धारित डंपिंग स्थल तक कचरा ले जाने के बजाय यहीं खुले मैदान में खाली कर देते हैं। परिणामस्वरूप करीब 100 फीट तक कचरे का अंबार फैल चुका है। यह क्षेत्र शहर का सबसे व्यस्त ट्रेवल्स हब है, जहां रोजाना हजारों यात्रियों, व्यापारियों और बाहर से आने वाले लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे महत्वपूर्ण स्थान पर फैली गंदगी शहर की छवि पर भी सवाल खड़े कर रही है।

दुर्गंध से भाग रहे ग्राहक, व्यापार चौपट होने की कगार पर

व्यापारियों का कहना है कि कचरे से उठने वाली बदबू इतनी तेज है कि ग्राहक दुकानों और प्रतिष्ठानों पर रुकने से कतराने लगे हैं। इसका सीधा असर कारोबार पर पड़ रहा है। आसपास स्थित होटल, बैंक और अन्य संस्थानों के कर्मचारी भी पूरे दिन बदबू और गंदगी के बीच काम करने को मजबूर हैं।

लोगों का कहना है कि जहां कचरा डाला जा रहा है, वह नगर निगम का अधिकृत डंपिंग स्थल नहीं है, फिर भी लंबे समय से इसे कचरा फेंकने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

प्लास्टिक निगल रहा गोवंश, बढ़ रहा बीमारियों का खतरा

कचरे के ढेर में पड़ी प्लास्टिक थैलियां और अन्य अपशिष्ट सामग्री गायों और अन्य गोवंश का भोजन बन रही हैं। इससे उनके स्वास्थ्य और जीवन पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। वहीं बरसात के मौसम में यही कचरा पूरे क्षेत्र में फैल जाता है, जिससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ने के साथ डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है।

शिकायतों का मिला सिर्फ आश्वासन, कार्रवाई अब तक शून्य

व्यापारियों और क्षेत्रवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार नगर निगम अधिकारियों से शिकायत की। हर बार अधिकारी मौके पर पहुंचे, निरीक्षण किया और जल्द समाधान का भरोसा दिलाया, लेकिन हालात आज भी जस के तस हैं। लोगों का आरोप है कि निगम की उदासीनता के कारण समस्या लगातार विकराल होती जा रही है।

आंदोलन की तैयारी

स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन से तत्काल इस स्थान पर कचरा डालना बंद कराने, नियमित सफाई व्यवस्था लागू करने और कचरे के निस्तारण के लिए स्थायी व्यवस्था करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापारियों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी।

'भीलवाड़ा फोकस'

अपने शहर और गाँव के समाचार, सूचनाएँ, सार्वजनिक घोषणाएँ या विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए संपर्क करें।

Mo.– 8696795959

Bhilwarafocus@gmail.com

BHILWARA FOCUS news

भीलवाड़ा की बात,फोकस के साथ

भारतीय वायु सेना में अग्निवीरवायु भर्ती के लिए आवेदन शुरू

26 जुलाई तक ऑनलाइन कर सकेंगे आवेदन, अविवाहित युवक-युवतियां होंगे पात्र

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

भारतीय वायु सेना ने अग्निवीरवायु भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। पात्र अविवाहित पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी भारतीय वायु सेना की आधिकारिक भर्ती वेबसाइट के माध्यम से 26 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। भर्ती के लिए वही अभ्यर्थी पात्र होंगे जिनका जन्म 1 जुलाई 2005 से 1 जनवरी 2010 (दोनों तिथियां शामिल) के बीच हुआ हो। विज्ञान वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 10+2 (बारहवीं) में गणित, भौतिकी एवं अंग्रेजी विषयों के साथ न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक तथा अंग्रेजी में भी कम से कम 50 प्रतिशत अंक होना आवश्यक है। वहीं कला एवं वाणिज्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 10+2 में न्यूनतम 50 प्रतिशत कुल अंक एवं अंग्रेजी विषय में 50 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं। इसके अलावा तीन वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा या दो वर्षीय व्यावसायिक (वोकेशनल) पाठ्यक्रम उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी निर्धारित पात्रता के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। भारतीय वायु सेना ने इच्छुक अभ्यर्थियों से अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश का दूसरा मौका, 30 जुलाई तक ऑफलाइन आवेदन

रिक्त सीटों पर छात्राएं कर सकेंगी प्रवेश, एसएमएम कन्या महाविद्यालय में विभिन्न संकायों में सीटें उपलब्ध

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश से वंचित छात्राओं को एक और अवसर दिया गया है। जिन राजकीय महाविद्यालयों में सीटें रिक्त हैं, वहां 17 से 30 जुलाई 2026 तक ऑफलाइन प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश दिए जाएंगे। इससे वे छात्राएं भी लाभान्वित होंगी, जो किसी कारणवश ऑनलाइन आवेदन नहीं कर सकी थीं।

एसएमएम राजकीय कन्या महाविद्यालय में बीए की 80, बीकॉम की 429, बीएससी गणित की 57, बीएससी जीव विज्ञान की 28 तथा बीएससी गृह विज्ञान की 55 रिक्त सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे।

महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार इच्छुक छात्राएं ई-मित्र से कॉमन एडमिशन फॉर्म (ट्रस्ट) की हार्ड कॉपी प्राप्त कर उसे भरकर 10वीं एवं 12वीं की अंकतालिका, मूल स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (टीसी), चरित्र प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ सीधे महाविद्यालय में जमा कर सकती हैं।

प्रशासन ने छात्राओं एवं अभिभावकों से अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना शीघ्र आवेदन कर प्रवेश सुनिश्चित करने की अपील की है।

इसके अलावा राजकीय महाविद्यालय हमीरगढ़ तथा कैलाश त्रिवेदी राजकीय कन्या महाविद्यालय, गंगापुर में भी कला संकाय की रिक्त सीटों पर ऑफलाइन प्रवेश प्रक्रिया जारी है।

देवउठनी ग्यारस पर होगा सेन समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन, 18 अगस्त को आयोजित होगा युवक-युवती परिचय सम्मेलन

भीलवाड़ा फोकस @ बड़लियास ।

(रोशन) सेन समाज द्वारा देवउठनी ग्यारस पर आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर सांगानेरी गेट स्थित पेट्रोल पंप के सामने आरके टावर में सम्मेलन कार्यालय का शुभारंभ किया गया।

जानकारी देते हुए सेन समाज नारायणी सैना के कार्यकारी जिलाध्यक्ष विष्णु कुमार सेन (रेणवास) ने बताया कि समाज की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष देवउठनी ग्यारस के अवसर पर सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा समाज के युवाओं के वैवाहिक परिचय के उद्देश्य से 18 अगस्त को नगर परिषद टाउन हॉल, भीलवाड़ा में सेन समाज के बैनर तले युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें समाज के युवक-युवतियां भाग लेंगे। बैठक के दौरान सामूहिक विवाह सम्मेलन के सफल संचालन को लेकर विभिन्न जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। श्री श्री 1008 पंकज भारतीय जी महाराज के सान्निध्य में ताराचंद सेन को सम्मेलन कार्यालय का प्रभारी नियुक्त किया गया।

समाज के पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक समाजजनों से दोनों आयोजनों में सहभागिता निभाकर उन्हें सफल बनाने का आह्वान किया।

शिक्षकों की कमी को लेकर सोपुरिया विद्यालय पर विद्यार्थियों ने जड़ा ताला

प्रधानाचार्य व पीईईओ ने नहीं किया फोन रिसीव, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को पूरी जानकारी ही नहीं

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव):- सवाईपुर क्षेत्र के नवगठित सोपुरिया ग्राम पंचायत मुख्यालय पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पर आज शुक्रवार सुबह शिक्षकों की कमी को लेकर छात्र-छात्राओं ने विद्यालय के मुख्य गेट पर ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया, कि विद्यालय में 12 कक्षा पर मात्र 6 ही अध्यापकों को लगा रखा । जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है । सूचना पर कोटडी कार्यवाहक ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कल्पना कुमारी मौके पर पहुंची । प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय में शुक्रवार सुबह स्कूल खुलते ही छात्र-छात्राओं ने मुख्य गेट पर ताला जड़कर शिक्षकों की कमी को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, छात्रों ने बताया कि विद्यालय में 350 से अधिक का नामांकन है इतने बच्चों पर विद्यालय में प्रधानाचार्य व शारीरिक शिक्षक सहित कुल 6 शिक्षकों को लगा रखा, जिसके चलते पढ़ाई नियमित रूप से नहीं चल पा रहे हैं और पढ़ाई प्रभावित हो रही । सूचना पर कोटड़ी ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कल्पना कुमारी मौके पहुंची और विद्यार्थियों व ग्रामीणों से समझाइश की करीब 3 घंटे बाद और शिक्षक लगाने के आश्वासन के बाद विद्यालय का ताला खोला गया । वही जब प्रधानाचार्य उमा त्रिपाठी एवं पीईईओ चंद्रवीर सिंह से जानकारी लेने के लिए कई बार फोन करने पर उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया और जानकारी देने से बचते हुए नजर आए ।।

इनका ये कहना

कार्यवाहक ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कल्पना कुमारी से टेलीफोन पर जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि शिक्षकों की कमी को लेकर छात्रों ने प्रदर्शन किया, इस पर विद्यालय में आसपास के विद्यालयों से चार पांच शिक्षकों को लगाएंगे, पूरी जानकारी सुभाष जी से लेकर बताती हूं कहकर फोन काट दिया । अब इसमें देखना होगा कि चार-पांच टीचर जो भी लगाए वह परमानेंटली है या मात्र एक वैकल्पिक व्यवस्था होगी ।।

'अंगदान-महादान' अभियान का शुभारंभ, जिलेभर में चलेगा जनजागरूकता अभियान

एक व्यक्ति का अंगदान आठ लोगों को दे सकता है नया जीवन : एडीएम प्रतिभा देवठिया

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

विश्व अंगदान दिवस 3 अगस्त एवं अंगदान माह के उपलक्ष्य में शुक्रवार से जिले में राज्यव्यापी 'अंगदान-महादान' जनजागरूकता अभियान की शुरुआत हुई। जिला कलक्टर कार्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) प्रतिभा देवठिया ने अभियान के पोस्टर का विमोचन कर आमजन से अधिकाधिक संख्या में ऑनलाइन अंगदान की शपथ लेने का आह्वान किया।

इस अवसर पर एडीएम प्रतिभा देवठिया ने कहा कि 'एक जीवनदान, अनेक वरदान' का संदेश समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंगदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है और किसी व्यक्ति का एक निर्णय आठ जरूरतमंद लोगों को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने नागरिकों से नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (NOTTO) के वेब पोर्टल पर ऑनलाइन अंगदान की शपथ लेने तथा अपने परिवार, मित्रों और परिचितों को भी इस अभियान से जोड़ने की अपील की।

कार्यक्रम में राजकीय महात्मा गांधी चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. अरुण गौड़, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएमएचओ डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार पूरे जुलाई माह को अंगदान माह के रूप में मनाया जा रहा है। इसके तहत जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों, चिकित्सा महाविद्यालयों तथा विभिन्न विभागों के सहयोग से जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। पोस्टर, बैनर, सोशल मीडिया, जनसंवाद और अन्य माध्यमों से आमजन को अंगदान के महत्व से अवगत कराया जाएगा तथा अधिक से अधिक लोगों को ऑनलाइन शपथ दिलाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि अंगदान से संबंधित जानकारी के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन पर संपर्क किया जा सकता है। जिला प्रशासन ने विश्व अंगदान दिवस एवं अंगदान माह के अवसर पर सभी नागरिकों से अंगदान का संकल्प लेकर मानवता के इस महाअभियान से जुड़ने की अपील की है। एक व्यक्ति का अंगदान आठ लोगों को नया जीवन दे सकता है।

भक्तामर स्तोत्र आध्यात्मिक चेतना और सकारात्मक ऊर्जा का अक्षय स्रोत : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

रविवार को शांतिभवन में होगा युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी का चातुर्मास मंगलप्रवेश

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

पुनित चपलोत

भक्तामर स्तोत्र की ध्वनि-तरंगें सकारात्मक ऊर्जा का आभामंडल निर्मित कर व्यक्ति की रचनात्मक शक्तियों को जागृत करती हैं। यह बात श्रमण संघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी महाराज ने वर्धमान कॉलोनी स्थित अम्बेश स्वाध्याय भवन में आयोजित भक्तामर स्तोत्र के सामूहिक जाप के दौरान उस पर हुए शोधों का उल्लेख करते हुए कही। उन्होंने कहा कि इसकी प्रत्येक गाथा से उत्पन्न ध्वनि-स्पंदन सकारात्मक चेतना और आत्मबल को सुदृढ़ करते हुए नकारात्मक प्रवृत्तियों को क्षीण करने में सहायक होते हैं।

उन्होंने कहा कि आचार्य मानतुंग विरचित भक्तामर स्तोत्र, जिसे आदिनाथ स्तोत्र भी कहा जाता है, जैन वाङ्मय की कालजयी कृति है। यह केवल आराधना का ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन के विविध आयामों का समग्र साधना-सूत्र है। स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, पारिवारिक मंगल,आत्मबल और आध्यात्मिक उन्नयन जैसे अनेक जीवनोपयोगी तत्व इसमें समाहित हैं। प्रत्येक गाथा का अपना महत्व है, किंतु सम्पूर्ण स्तोत्र का

सामूहिक पाठ अधिक व्यापक आध्यात्मिक प्रभाव उत्पन्न करता है।

युवाचार्यश्री ने कहा कि भक्तामर स्तोत्र वसंततिलका छंद में रचित है। इसकी लय, स्वर-विन्यास और शब्द-संरचना साधक के मन एवं चेतना पर गहरा प्रभाव छोड़ती है। पुणे चातुर्मास के दौरान भक्तामर पर शोध करने वाले एक शोधकर्ता से हुई चर्चा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक गाथा से उत्पन्न ध्वनि-तरंगें सकारात्मक आभामंडल के निर्माण में सहायक होती हैं। इन स्पंदनों से व्यक्ति की सकारात्मक वृत्तियाँ सशक्त होती हैं तथा नकारात्मक प्रवृत्तियाँ स्वतः क्षीण होने लगती हैं।

उन्होंने कहा कि भक्तामर स्तोत्र की महिमा किसी एक परंपरा तक सीमित नहीं है। दिगंबर, श्वेतांबर, मूर्तिपूजक, स्थानकवासी और तेरापंथ सहित सम्पूर्ण जैन परंपरा में इसे समान श्रद्धा और आस्था के साथ पाठ किया जाता है। विभिन्न परंपराओं में गाथाओं की संख्या भिन्न हो सकती है, किंतु इसकी आध्यात्मिक प्रभावशीलता और स्वीकार्यता सर्वमान्य है।

युवाचार्यश्री ने श्रद्धालुओं से भक्तामर स्तोत्र का नियमित एवं शुद्ध उच्चारण के साथ अभ्यास करने का आह्वान करते हुए कहा कि संस्कृत कठिन नहीं, अभ्यास की भाषा है। निरंतर अभ्यास से उच्चारण सहज हो जाता है और तभी स्तोत्र की भाव-शक्ति तथा आध्यात्मिक अनुभूति का वास्तविक लाभ प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि स्वाध्याय और आराधना का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि व्यक्ति के भीतर संयम, सकारात्मक दृष्टि, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक संस्कारों का विकास करना है। भक्तामर स्तोत्र इसी आत्मपरिष्कार की सशक्त साधना है, जो व्यक्ति को भीतर से सुदृढ़ बनाती है।

भक्तामर स्तोत्र के सामूहिक जाप में अम्बेश स्वाध्याय भवन के अध्यक्ष नवरतन सूरिया, मुकेश आंचलिया, राजेन्द्र मेहता, सुरेश नानेचा, पंकज पीपड़ा, पुष्पेन्द्र सुराणा, सुधीर खाब्या ,जयप्रकाश आंचलिया,सहित चंदनबाला महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू खटवड़ तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाई-बहनों ने सहभागिता की।

शांतिभवन के मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि श्रमण संघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी सहित संतवृंद एवं साध्वीवृंद का चातुर्मास मंगलप्रवेश रविवार प्रातः 7:30 बजे वर्धमान कॉलोनी स्थित अम्बेश स्वाध्याय भवन से भव्य शोभायात्रा के साथ प्रारंभ होगा। शोभायात्रा माणिक्य नगर, महाराणा टॉकीज, नेताजी सुभाष मार्केट सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए शांतिभवन पहुंचेगी, जहां चातुर्मास मंगलप्रवेश के उपरांत आयोजित समारोह में युवाचार्यश्री का अभिनंदन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चातुर्मास मंगलप्रवेश एवं अभिनंदन समारोह में देश के विभिन्न प्रांतों से सैकड़ों श्रद्धालु सहभागी होंगे।

बड़लियास क्षेत्र में बारिश की बेरुखी से सूखने लगी खरीफ फसलें, किसानों की बढ़ी चिंता

दोबारा बुवाई का संकट गहराया, खेतों में नमी खत्म होने से फसलें मुरझाने लगीं

भीलवाड़ा फोकस @ बड़लियास

(रोशन)बड़लियास बरूदनी क्षेत्र सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में मानसून की बेरुखी अब किसानों के लिए बड़ी चिंता का कारण बन गई है। शुरुआती बारिश के बाद किसानों ने कपास, मक्का, सोयाबीन, मूंग, उड़द, बाजरा सहित खरीफ फसलों की बुवाई पूरी कर ली थी, लेकिन पिछले कई दिनों से बारिश नहीं होने के कारण खेतों की नमी समाप्त हो गई है और फसलें मुरझाने लगी हैं। किसानों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो दोबारा बुवाई की नौबत आ सकती है। इससे किसानों पर बीज, खाद, डीजल और

मजदूरी का अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। पहले से बढ़ी कृषि लागत के बीच पुनः बुवाई करना अधिकांश किसानों के लिए आसान नहीं होगा। बड़लियास बरूदनी क्षेत्र के कई खेतों में फसलों की बढ़वार रुक गई है और पौधों में सूखने के लक्षण दिखाई देने लगे हैं। किसान रोजाना आसमान की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं और अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि खरीफ फसलों की बेहतर वृद्धि के लिए इस समय पर्याप्त वर्षा बेहद आवश्यक है। यदि मौसम का यही रुख बना रहा तो उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है, जिससे किसानों को दोहरा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। क्षेत्र के किसानों ने समय रहते अच्छी बारिश होने की उम्मीद जताई है, ताकि फसलें बच सकें और खेती की मेहनत सफल हो सके।

QUICK BITES

मोचडिया के मंड देवनारायण के 25 को रक्तदान शिविर, किया पोस्टर विमोचन

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव):- सवाईपुर क्षेत्र के बनकाखेड़ा गांव में श्री मोचड़िया के मंड देवनारायण भगवान मंदिर पर विशाल रक्तदान शिविर को लेकर पोस्टर विमोचन किया गया, सहयोग सेवार्थ फाउंडेशन संस्थान के तत्वावधान में देवनारायण मंदिर प्रांगण में 25 जुलाई को रक्तदान शिविर का आयोजन होगा । समाजसेवी सांवरमल जाट ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भारतीय सेना के शोर्य को समर्पित कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष पर मोचड़िया के मंड देवनारायण मंदिर प्रांगण में शनिवार 25 जुलाई को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसको लेकर देवनारायण मंदिर प्रांगण में पोस्टर विमोचन किया गया, इस दौरान संस्थान के सचिव गोपाल विजयवर्गीय, रामेश्वर लाल भोपा जी, दिलखुश जाट, गजानंद जाट आदि कई मौजूद रहे ।।

युवा ब्रह्म शक्ति मेवाड़ की महिला कार्यकारिणी का विस्तार, नीरू जिला प्रभारी व चंदा बनीं जिला सचिव

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

नीरू चतुर्वेदी

चंदा शर्मा

युवा ब्रह्म शक्ति मेवाड़ संगठन ने सामाजिक सरोकारों और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के लिए अपनी महिला कार्यकारिणी का विस्तार किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पुरोहित की अनुशंसा पर महिला प्रदेश अध्यक्ष नीलम शर्मा ने नई नियुक्तियों की घोषणा की है।
संगठन के विस्तार में नीरू चतुर्वेदी को जिला प्रभारी और चंदा शर्मा को जिला सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही प्रेमलता शर्मा को सह सचिव, पिंकी सारस्वत को मंत्री, वंदना शर्मा को प्रचार-प्रसार मंत्री तथा रेखा शर्मा को कार्यालय प्रभारी मनोनीत किया गया है।
महिला विंग को युवाओं के बीच और मजबूत करने के लिए अंजली शर्मा को युवा प्रकोष्ठ प्रमुख और किरण शर्मा को करेड़ा प्रभारी की कमान दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष नीलम शर्मा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि सभी मातृशक्ति पूरी निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि नई टीम के आने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और समाजहित के कार्यों में महिलाओं की भागीदारी और अधिक सशक्त होगी। कार्यकारिणी के विस्तार पर संगठन के पदाधिकारियों और समाजजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

'वंदे मातरम् फुटबॉल टैलेंट सर्च प्रतियोगिता' प्रारंभ

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

विधायक अशोक कुमार कोठारी की पहल पर विधायक खेल विकास योजना के समर्थन में पहली बार भारत विकास परिषद , वीर शिवाजी शाखा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'वंदे मातरम् फुटबॉल टैलेंट सर्च प्रतियोगिता-2026' का आयोजन आगामी 19 जुलाई तक किया जाएगा।

विधायक खेल विकास योजना के संयोजक शिक्षाविद विवेक निमावत ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य भीलवाड़ा की फुटबॉल प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर भविष्य के उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन करना है।
प्रतियोगिता के मुख्य कोच अजीत जैन ने बताया कि यह आयोजन केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास है। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर सर्वश्रेष्ठ 18 खिलाड़ियों का चयन कर एक सशक्त टीम तैयार की जाएगी, जो भविष्य में जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर भीलवाड़ा का प्रतिनिधित्व कर सके। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता आईपीएल पैटर्न पर आयोजित होगी, जिसमें 8 प्रायोजित टीमें भाग लेंगी। सभी मुकाबले प्रतिदिन शाम 5 बजे से प्रारंभ होंगे। प्रतियोगिता दो आयु वर्ग 3 से 10 वर्ष तथा 11 से 14 वर्ष में आयोजित होगी। प्रत्येक आयु वर्ग में चार-चार टीमें रहेंगी तथा प्रत्येक टीम को तीन लीग मैच खेलने का अवसर मिलेगा ।

प्रदर्शन के आधार पर 10 आधिकारिक खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें जर्सी प्रदान की जाएगी, जो पूरे टूर्नामेंट में अपनी टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने बताया कि जो खिलाड़ी आधिकारिक टीम में चयनित नहीं हो पाएंगे, उनके लिए भी तीनों दिन फ्रेंडली मैच आयोजित किए जाएंगे, ताकि प्रत्येक बच्चे को पर्याप्त खेलने और अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके।
जैन ने अभिभावकों एवं खेल प्रेमियों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने का आह्वान किया है।
'आज का खिलाड़ी ही कल का भारत बनाएगा' की भावना के साथ आयोजित यह प्रतियोगिता भीलवाड़ा में फुटबॉल प्रतिभाओं को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण प्रयास साबित होगी।

माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बनने पर सत्यनारायण न्याती का भव्य सम्मान, समाज ने जताया गौरव

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा-

मूलचन्द पेसवानी

माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी एवं केकड़ी निवासी सत्यनारायण न्याती के अजमेर जिला माहेश्वरी सभा का जिला अध्यक्ष नियुक्त होने पर माहेश्वरी पंचायत फूलिया कला द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में समाज के प्रबुद्धजनों ने पुष्पमालाएं पहनाकर, साफा बंधवाकर, शॉल ओढ़ाकर तथा मिठाई खिलाकर उनका आत्मीय अभिनंदन किया। इस अवसर पर समाज में उत्साह और गौरव का वातावरण देखने को मिला।
कार्यक्रम की अध्यक्षता माहेश्वरी पंचायत बोर्ड के अध्यक्ष ताराचंद हेडा ने की। उन्होंने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि सत्यनारायण न्याती लंबे समय से समाज सेवा, संगठन क्षमता और समर्पित कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। उनका अजमेर जिला माहेश्वरी सभा के जिला अध्यक्ष पद पर मनोनयन पूरे माहेश्वरी समाज, विशेष रूप से फूलिया कला के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि न्याती के नेतृत्व में समाज और अधिक संगठित होगा तथा सामाजिक, शैक्षणिक एवं सेवा कार्यों को नई दिशा मिलेगी।

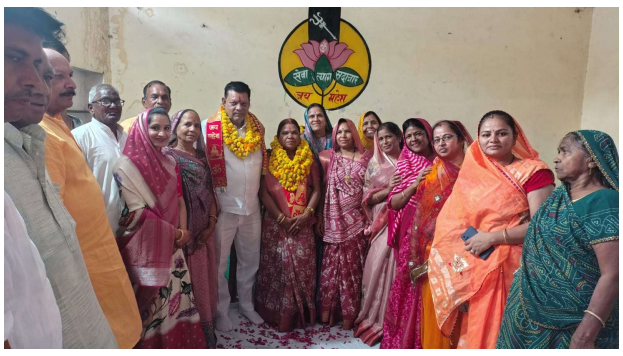

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सत्यनारायण न्याती ने समारोह में उपस्थित सभी समाजबंधुओं का अभिवादन करते हुए कहा कि उन्हें जो दायित्व मिला है, वह समाज के प्रत्येक सदस्य के विश्वास, आशीर्वाद और स्नेह का परिणाम है। उन्होंने कहा कि तपोभूमि मिनी पुष्कर धानेश्वर की कृपा तथा समाज के वरिष्ठजनों के आशीर्वाद और शुभकामनाओं से उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। यह पद उनके लिए सम्मान के साथ-साथ समाज सेवा का एक बड़ा दायित्व भी है।
उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि अजमेर जिले के माहेश्वरी समाज को और अधिक संगठित किया जाए तथा शिक्षा, संस्कार, युवा सहभागिता, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक एकता जैसे विषयों पर विशेष कार्य किए जाएं। उन्होंने फूलिया कला माहेश्वरी पंचायत द्वारा दिए गए सम्मान के लिए सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए समाज हित में सदैव समर्पित रहने का संकल्प दोहराया।
पंचायत मंत्री प्रकाशचंद्र तोषनीवाल ने समारोह का संचालन करते हुए बताया कि अध्यक्ष ताराचंद हेडा के नेतृत्व में समाज के वरिष्ठ एवं युवा सदस्यों ने सत्यनारायण न्याती तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रतन कंवर न्याती का पारंपरिक राजस्थानी रीति-रिवाजों के साथ सम्मान किया। अतिथियों को पुष्पमालाएं पहनाई गईं, साफा बंधवाया गया, शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया तथा मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी गईं।
समारोह में गिरधारीलाल नौलखा, रामप्रकाश दाखेड़ा, कमलेश कुमार लड्ढा, कैलाशचंद्र सोमानी, रूपचंद पोरवाल, भागचंद पोरवाल, महावीर प्रसाद हेडा, मोहनलाल तोषनीवाल, सत्यनारायण आगीवाल, योगेश आगीवाल, कैलाशचंद्र नौलखा, नवीन नौलखा, भागचंद आगीवाल, कोषाध्यक्ष बसंत कुमार नौलखा, सुरेश पोरवाल, मुकेश तोषनीवाल तथा पवन कुमार हेडा सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।
इस अवसर पर महिला मंडल फूलिया कला की अध्यक्ष जिज्ञासा हेडा, कोषाध्यक्ष सरिता लड्ढा एवं महिला मंडल की सभी सदस्याओं ने भी श्री सत्यनारायण न्याती एवं श्रीमती रतन कंवर का पारंपरिक सम्मान कर उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं।
समारोह का समापन समाज की एकता, संगठन और सेवा कार्यों को और अधिक सशक्त बनाने के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित समाजजनों ने विश्वास व्यक्त किया कि सत्यनारायण न्याती के नेतृत्व में अजमेर जिला माहेश्वरी सभा नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी तथा समाज हित के कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।

समय से पहले नजर आई सावन की डोकरी, बदलते पर्यावरण की दस्तक!

नूर बाग में 15-20 दिन पहले दिखाई दिया लाल मखमली जीव, जीव दया सेवा समिति ने जताई चिंताय वैज्ञानिकों ने बताया मिट्टी, नमी और तापमान के बदलते समीकरण का असर"

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा ।

मूलचन्द पेसवानी

प्रकृति जब अपने तय समय से पहले संकेत देने लगे तो यह केवल एक संयोग नहीं, बल्कि पर्यावरण के बदलते मिजाज का गंभीर संदेश भी हो सकता है। शाहपुरा के ऐतिहासिक नूर बाग क्षेत्र में इस वर्ष बरसात के मौसम में दिखाई देने वाला लाल मखमली जीव ष्सावन की डोकरीष् (रेड वेलवेट माइट) सावन शुरू होने से लगभग 15 से 20 दिन पहले ही नजर आने लगा है। वर्षों से ग्रामीण अंचलों में इस जीव को अच्छी वर्षा और मौसम की अनुकूलता का शुभ संकेत माना जाता रहा है, लेकिन इस बार इसका समय से पहले प्रकट होना पर्यावरण विशेषज्ञों और प्रकृति प्रेमियों के लिए चिंता का विषय बन गया है।
ग्रामीण संस्कृति और लोक मान्यताओं में सावन की डोकरी का विशेष स्थान है। खेतों और बाग-बगीचों में जैसे ही यह चमकीले लाल रंग का मखमली जीव दिखाई देता है, किसानों के चेहरे खिल उठते हैं। मान्यता है कि इसका प्रकट होना अच्छी बारिश और समृद्ध फसल का संदेश लेकर आता है। हालांकि आधुनिक विज्ञान इस मान्यता को अलग दृष्टि से देखता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि रेड वेलवेट माइट का बाहर निकलना मुख्य रूप से मिट्टी की नमी, तापमान, आर्द्रता और प्रारंभिक वर्षा पर निर्भर करता है। यदि मानसून पूर्व बारिश, वातावरण में नमी और मिट्टी का तापमान अनुकूल हो जाए तो यह जीव सामान्य समय से पहले भी बाहर आ सकता है।
जीव दया सेवा समिति के संयोजक एवं पर्यावरण प्रेमी अतू खां कायमखानी ने इस घटनाक्रम को प्रकृति के बदलते स्वरूप का संकेत बताते हुए चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम का पारंपरिक चक्र लगातार प्रभावित हो रहा है। कभी बारिश समय से पहले हो जाती है तो कभी लंबे समय तक सूखा पड़ता है। तापमान में लगातार बढ़ोतरी, जंगलों की अंधाधुंध कटाई, प्रदूषण, भूजल स्तर में गिरावट तथा रासायनिक कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग ने प्राकृतिक संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। यही कारण है कि अब अनेक जीव-जंतुओं और कीटों के प्रकट होने का प्राकृतिक समय भी बदलता दिखाई दे रहा है।
उन्होंने बताया कि जीव दया सेवा समिति केवल वन्य जीवों के संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में प्रकृति, पर्यावरण और जैव विविधता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का भी निरंतर प्रयास कर रही है। उनका कहना है कि छोटे-छोटे जीव भले ही आम लोगों की नजर में महत्वहीन प्रतीत होते हों, लेकिन वास्तव में यही जीव प्रकृति के विशाल पारिस्थितिकी तंत्र की मजबूत कड़ी होते हैं। यदि इनकी संख्या कम होती है या इनके जीवन चक्र में बदलाव आता है तो उसका असर पूरे पर्यावरण पर दिखाई देता है।
कायमखानी ने बताया कि सावन की डोकरी केवल देखने में आकर्षक नहीं होती, बल्कि यह प्रकृति की एक महत्वपूर्ण सहयोगी भी है। इसका लाल मखमली शरीर लोगों का ध्यान सहज ही आकर्षित कर लेता है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसे शुभ माना जाता है और बच्चे-बूढ़े सभी उत्सुकता से इसे देखने निकल पड़ते हैं। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि यह जीव मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने और प्राकृतिक संतुलन कायम रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
वैज्ञानिक दृष्टि से रेड वेलवेट माइट को प्रकृति का छोटा सफाईकर्मी भी कहा जाता है। यह मिट्टी में रहने वाले कई हानिकारक छोटे कीटों, उनके अंडों तथा अन्य सूक्ष्म जीवों को खाकर उनकी संख्या नियंत्रित

करता है। इससे खेतों और प्राकृतिक वनस्पतियों को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलता है तथा जैविक संतुलन बना रहता है। इसकी मौजूदगी इस बात का भी संकेत मानी जाती है कि मिट्टी अभी भी जीवंत है और उसमें पर्याप्त जैव विविधता मौजूद है।
विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी क्षेत्र में रेड वेलवेट माइट बड़ी संख्या में दिखाई दे रही है तो इसका अर्थ यह भी हो सकता है कि वहां की मिट्टी में जैविक पदार्थ, नमी और सूक्ष्म जीवों की सक्रियता अच्छी है। लेकिन यदि यह जीव अपने सामान्य समय से पहले या असामान्य मौसम में दिखाई देने लगे तो इसे बदलते पर्यावरणीय पैटर्न के संकेत के रूप में भी देखा जाता है। लगातार बढ़ते वैश्विक तापमान और मानसूनी चक्र में हो रहे बदलावों के कारण अनेक जीवों के जीवन चक्र प्रभावित हो रहे हैं। पक्षियों के प्रवास का समय बदल रहा है, पेड़-पौधों में समय से पहले फूल आने लगे हैं और अब ऐसे छोटे जीवों के व्यवहार में भी परिवर्तन दर्ज किए जा रहे हैं। अतू खां कायमखानी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि ऐसे दुर्लभ एवं उपयोगी जीवों को नुकसान न पहुंचाएं। कई बार लोग अज्ञानता में इन्हें हानिकारक समझकर कुचल देते हैं, जबकि वास्तव में यह प्रकृति के मित्र हैं। उन्होंने कहा कि जंगलों का संरक्षण, अधिकाधिक पौधारोपण, जल स्रोतों का संरक्षण तथा रासायनिक कीटनाशकों के सीमित एवं संतुलित उपयोग से ही प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखा जा सकता है। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण की दिशा में गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो भविष्य में ऐसे अनेक प्राकृतिक संकेत और अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देंगे।
उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। आधुनिक कृषि पद्धतियों के साथ जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाए तथा लोगों को यह समझाया जाए कि प्रकृति का प्रत्येक जीव किसी न किसी रूप में मानव जीवन से जुड़ा हुआ है। एक छोटे से जीव का अस्तित्व भी पूरी पारिस्थितिकी व्यवस्था के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितना किसी बड़े वन्य जीव का।
नूर बाग में समय से पहले दिखाई दी ष्सावन की डोकरीष् ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि प्रकृति अपने संकेत समय-समय पर देती रहती है। आवश्यकता केवल उन्हें समझने और उनसे सीख लेने की है। यदि हम पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग नहीं हुए तो आने वाले वर्षों में मौसम के पारंपरिक स्वरूप, जैव विविधता और प्राकृतिक संतुलन में और भी बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।
फिलहाल शाहपुरा में इस लाल मखमली जीव की समयपूर्व दस्तक चर्चा का विषय बनी हुई है। ग्रामीण इसे शुभ संकेत मान रहे हैं तो पर्यावरणविद इसे प्रकृति की चेतावनी के रूप में देख रहे हैं। परंपरागत मान्यताओं और वैज्ञानिक तथ्यों के बीच एक बात स्पष्ट हैकृप्रकृति का हर छोटा-बड़ा जीव हमें पर्यावरण का हाल बताता है, बस जरूरत है उसकी भाषा को समझने की।

विद्यालय में बाल विवाह रोकथाम व नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विद्यार्थियों को दिलाई बाल विवाह रोकथाम की शपथ, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की दी जानकारी

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

बाल अधिकारिता विभाग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई के सहायक निदेशक धर्मराज प्रतिहार के निर्देशानुसार चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 टीम द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय उपरेड़ा में बाल विवाह रोकथाम एवं नशा मुक्ति विषय पर जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई।
कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों, इससे संबंधित कानूनी प्रावधानों तथा इसे रोकने में समाज और युवाओं की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही सभी विद्यार्थियों को

बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई गई। इसके अलावा नशा मुक्ति के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न प्रकार के नशों से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी भी दी गई। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के सुपरवाइजर राजेश कुमार खोईवाल एवं आनंद कुमार सुमनारिया ने बच्चों को बताया कि किसी भी प्रकार की परेशानी, शोषण, बाल श्रम, बाल विवाह या संकट की स्थिति में वे निःशुल्क चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।
कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य मुकेश कुमार चौधरी, अध्यापक कल्पना कुम्भकार, शारदा मंडोवरा, रमेश चंद्र लखारा, रश्मि सिसोदिया, रेणुबाला समदानी, अशोक वर्मा एवं सूरजभान नेहरा सहित विद्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यालय में आयोजित हुई वीबी-जी रामजी योजना की समीक्षा बैठक

जनहित और विकासोन्मुखी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें: एम के उज्जैनिया

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा,

विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी रामजी) योजना के तहत भारत सरकार के केंद्रीय दल ने शुक्रवार को जिले में विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में जनहित एवं विकासोन्मुखी कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार के अतिरिक्त महानिदेशक एमके उज्जैनिया की अध्यक्षता में क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और भावी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने बताया कि जिले के

सभी 14 विकास खंडों में विभिन्न विभागों के 831 विकास कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि मनरेगा के तहत रोजगार उपलब्ध कराने में भीलवाड़ा प्रदेश में तीसरे स्थान पर है तथा वर्तमान में 55 हजार से अधिक श्रमिक विभिन्न विकास कार्यों में लगे हुए हैं। अतिरिक्त महानिदेशक एम के उज्जैनिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कृषि, सड़क, चिकित्सा, महिला एवं बाल विकास, वन, शिक्षा तथा खेल विभाग से जुड़े संभावित विकास कार्यों की विभागवार समीक्षा करते हुए स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यों का चयन करने पर जोर दिया। उन्होंने जिले में विकसित मॉडल तालाब एवं कैटल शेड की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहित और विकासोन्मुखी कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जाए। साथ ही निर्देश दिए कि वीबी-जी रामजी योजना के तहत जिले का कोई भी गांव विकास कार्यों से वंचित नहीं रहना चाहिए तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत में समयबद्ध तरीके से कार्यों का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में केंद्रीय दल के सदस्य डिप्टी सेक्रेटरी प्रभात कुमार, अंडर सेक्रेटरी घनश्याम मीणा, जिला परिषद के एसीईओ मधुसूदन रत्नू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। तथा अधिकारियों ने योजना के प्रभावी संचालन एवं ग्रामीण विकास को गति देने के लिए आवश्यक सुझाव भी साझा किए।

दंडी स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती की अध्यात्म रामायण कथा में उमड़े श्रद्धालु

रामधाम में नवचंडी महायज्ञ शुरू, गौ सेवा के लिए मिली आधुनिक कुट्टी मशीन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा,

श्री रामधाम रामायण मंडल ट्रस्ट द्वारा विरक्त आश्रम में आयोजित आध्यात्मिक महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार को पहली बार नवग्रह पूजा एवं नवचंडी महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। इसी अवसर पर गौ-सेवा को समर्पित एक आधुनिक कुट्टी मशीन का भी लोकार्पण किया गया। परम पूज्य दंडी स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती के सानिध्य में चल रही अध्यात्म रामायण कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर धर्म और अध्यात्म का लाभ ले रहे हैं। कथा के दौरान दंडी स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती ने कहा कि जीवन में श्रवण, मनन और निदिध्यासन तीन ऐसे सूत्र हैं, जिनसे व्यक्ति आत्मिक उन्नति प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि कथा रूपी अमृत ही संसार के विष से मुक्ति का मार्ग है और साधु-संतों की संगति मोक्ष प्राप्ति का श्रेष्ठ साधन है। उन्होंने श्रद्धालुओं से कथा को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे

जीवन में उतारने का आह्वान किया। आश्रम परिसर में भगवान राम रामेश्वरजी की प्रतिमा के समक्ष विद्वान आचार्यों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नवग्रह पूजा, नवचंडी महायज्ञ, हवन एवं सहस्त्रनामावली अर्चन का शुभारंभ हुआ। प्रतिदिन सुबह 10 से 11 बजे तक विशेष पूजा-अर्चना एवं हवन का आयोजन किया जा रहा है। यज्ञशाला की पवित्रता बनाए रखने के लिए श्रद्धालुओं के लिए धोती पहनकर ही आहुति देने का नियम निर्धारित किया गया है। आश्रम प्रबंधन ने समाज से गौ-संरक्षण एवं धार्मिक आयोजनों में अधिकाधिक सहभागिता की अपील की।

गौ-सेवा के लिए अग्रवाल परिवार ने भेंट की आधुनिक मशीन

गौशाला में हरे चारे की बेहतर व्यवस्था के लिए स्वर्गीय रामगोपाल अग्रवाल (अजंता ट्रांसपोर्ट) की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी प्रेमलता अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, योगेश अग्रवाल एवं समस्त अग्रवाल परिवार ने आधुनिक कुट्टी मशीन भेंट की। वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ पूज्य संतों ने मशीन का लोकार्पण कर शुभारंभ किया। संतों ने इसे गौ-सेवा की प्रेरणादायी पहल बताते हुए अग्रवाल परिवार की सराहना की।

संतों और समाज के प्रबुद्धजन रहे मौजूद

इस अवसर पर स्वामी चौतन्यानंद मार्कंडेय ओंकारेश्वर, संत दया चौतन्य सहित अनेक संत एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। साथ ही राजकुमार अग्रवाल, तुषार अग्रवाल, ललित हेड़ा, राधेश्याम अग्रवाल, पवन अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, हेमंत मानसिंहका, नवरतन पारीक, शांतिलाल पोरवाल, सत्यनारायण ईनाणी, कृष्ण गोपाल कचोलिया, गोविंद लढा, इंदुबाई और वीणा मानसिंहका सहित कई गणमान्य नागरिकों ने कथा में भाग लेकर संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

प्रसूता मौतों के विरोध में सर्व समाज की न्याय यात्रा, दोषियों पर कार्रवाई की उठी मांग

भीमगंज थाना से चारभुजानाथ बड़ा मंदिर तक पैदल मार्च, लगाए न्याय के नारे, निष्पक्ष जांच और जवाबदेही की मांग

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा,

महात्मा गांधी चिकित्सालय में हाल ही में प्रसूताओं की लगातार हुई मौतों के विरोध में शुक्रवार को सर्व समाज के बैनर तले न्याय की मांग को लेकर विशाल पैदल न्याय यात्रा निकाली गई। भीमगंज थाना से प्रारंभ हुई यह यात्रा श्री चारभुजानाथ बड़ा मंदिर, पुराना भीलवाड़ा तक पहुंची। यात्रा के दौरान आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रार्थना-पत्र एवं जागरूकता पंपलेट वितरित किए गए तथा लोगों से न्याय की इस लड़ाई में सहभागी बनने का आह्वान किया गया। न्याय यात्रा में बड़ी संख्या में विभिन्न समाजों के नागरिक शामिल हुए। यात्रा जैसे ही गुलमंडी बाजार पहुंची, पूरा क्षेत्र, अस्पताल प्रशासन हाय-हाय, गायनिक विभाग हाय-हाय, बहनों को न्याय दो, न्याय नहीं तो चैन नहीं और माँओं की मौत का हिसाब दो जैसे

नारों से गूंज उठा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि प्रसूताओं की लगातार हो रही मौतों ने पूरे समाज को झकझोर दिया है और मामले में जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय होना आवश्यक है। पदयात्रा का समापन श्री चारभुजानाथ बड़ा मंदिर में हुआ, जहां सर्व समाज के लोगों ने भगवान श्री चारभुजानाथ के श्रीचरणों में सामूहिक प्रार्थना की। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों को सद्बुद्धि प्रदान करने, सत्य को सामने लाने, दोषियों को दंडित करने तथा पीड़ित परिवारों को शीघ्र न्याय दिलाने की कामना की। इस अवसर पर भगवान के चरणों में एक प्रार्थना-पत्र भी अर्पित किया गया। सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि सत्य, न्याय, जवाबदेही और मानव जीवन की रक्षा के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। इस अवसर पर रितेश गुर्जर, पवन त्रिपाठी, राघव कोठारी, रवि पंडित, जीतू गुर्जर, सिद्धार्थ पाराशर, लोकेश खटीक, राजेंद्र सिंह, विजेश खटीक, मोनू सेन, हिमांशु सेन, सुनील खटीक, देवदत्त पाराशर, रविन्द्र धाकड़, लोकपाल प्रजापत, पवन व्यास, बनवारी गाडरी, पूरन गाडरी, मुकेश जांगिड़, महेश शर्मा, दिलीप यादव, अनिल सोनी, सुधांशु जैन, यदुवेन्द्र सिंह, नवीन जोशी, संजय गुर्जर, कौशल पारीक, ललित देवनानी, आनंद शर्मा, पूरण तेली, गोपाल साहू, दिनेश गाडरी, राहुल गाडरी, रमेश धोबी सहित सर्व समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सर्व समाज ने स्पष्ट किया कि पीड़ित परिवारों को न्याय मिलने, दोषियों की जवाबदेही तय होने तथा प्रत्येक मातृ मृत्यु की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित होने तक यह जनआंदोलन लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से निरंतर जारी रहेगा।

तेज रफ्तार रोडवेज बस ने तीन भैंसों को रौंदा, CCTV फुटेज से खुला हादसे का राज

गर्भवती भैंस की मौके पर मौत, दो घायल; चालक बस लेकर फरार, ग्रामीणों में रोष

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचंद पेसवानी

थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में राजस्थान रोडवेज की एक तेज रफ्तार बस ने सड़क पार कर रही तीन भैंसों को टक्कर मार दी। हादसे में एक गर्भवती भैंस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य भैंसें गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद बस चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। बाद में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हादसे में शामिल रोडवेज बस की पहचान होने पर मामले का खुलासा हुआ। जानकारी के अनुसार बुधवार रात करीब 1:20 बजे शाहपुरा पुलिस थाने के सामने स्थित स्वराज ट्रैक्टर एजेंसी के पास तीन भैंसें सड़क पार कर रही थीं। इसी दौरान उदयपुर से टोंक जा रही राजस्थान रोडवेज की बस (RJ14 PH 0906) तेज गति से वहां पहुंची और तीनों भैंसों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक गर्भवती भैंस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य दो भैंसें गंभीर रूप से घायल हो गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल पशुओं को सड़क से हटाकर उपचार की व्यवस्था कराई। हादसे के बाद चालक बस रोकने के बजाय मौके से फरार हो गया, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया।

पहले अज्ञात वाहन के खिलाफ दर्ज हुई थी रिपोर्ट

घटना के बाद पशुपालक कमलेश कहार निवासी रामपुरा बस्ती ने शाहपुरा थाने में अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। उन्होंने पुलिस से आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर वाहन की पहचान करने की मांग की थी।

सीसीटीवी फुटेज से हुआ खुलासा

जांच के दौरान परिवादी ने शाहपुरा टोल, आमली बंगला टोल और घटनास्थल के

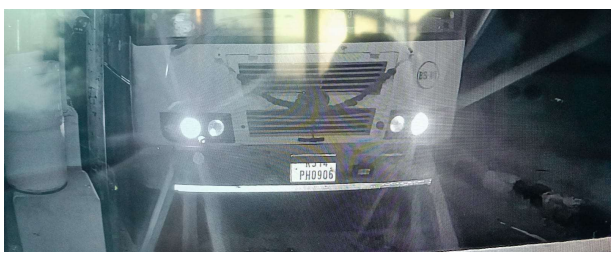

आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जुटाकर पुलिस को उपलब्ध कराई। फुटेज की जांच में स्पष्ट हुआ कि हादसे में राजस्थान रोडवेज की बस RJ14 PH 0906 शामिल थी। फुटेज में बस के आगे का शीशा और दाहिना अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त दिखाई देने से दुर्घटना की पुष्टि हुई।

पशुपालक को लाखों का नुकसान

हादसे में एक भैंस की मौत और दो के घायल होने से पशुपालक को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने मृत एवं घायल पशुओं के लिए उचित मुआवजा देने तथा दोषी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने तेज की जांच

सीसीटीवी फुटेज मिलने के बाद शाहपुरा पुलिस ने बस और चालक की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने सार्वजनिक परिवहन के चालकों से अधिक जिम्मेदारी बरतने और ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

QUICK BITES

अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

मानव तिवाड़ी । तालुका विधिक सेवा समिति की अध्यक्ष एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट रूपल अग्रवाल के निर्देशन में शुक्रवार को आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में पीएलवी रामबाबू माथुर ने छात्र-छात्राओं को संविधान प्रदत्त अधिकारों, न्याय तक समान पहुंच, बाल अधिकारों तथा विभिन्न विधिक प्रावधानों की जानकारी देते हुए कानून के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी जानकारी होना आवश्यक है।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य मिठ्ठू लाल शर्मा सहित केदार जोशी, ओमप्रकाश शर्मा, देवकरण धाकड़, मुकेश रेगर, रुक्मणी गौड़, कमला गौड़, चांदमल चमार, रवि चमार, मनोज यादव, पिंकी गौड़, लक्ष्मी गौड़, माया टेलर, ईश्वर सेन, दिव्य राजपूत, योगिता सोलंकी, खुशी व्यास सहित विद्यालय परिवार के कई सदस्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उपभोक्ता कल्याण समिति ने की मकान के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन हटाने की मांग

समिति के प्रदेश पदाधिकारियों ने सौंपा अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन, हादसे की जताई आशंका

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

उपभोक्ता कल्याण समिति, राजस्थान के प्रदेश पदाधिकारियों ने शुक्रवार को विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपकर तिलकनगर स्थित सिद्धि विनायक हॉस्पिटल के सामने एक मकान के ऊपर से गुजर रही 11 केवी (11,000 वोल्ट) हाईटेंशन विद्युत लाइन को तत्काल हटाकर सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की। समिति ने ज्ञापन में बताया कि तिलकनगर निवासी रतनलाल चंदेल के मकान के ऊपर से हाईटेंशन विद्युत लाइन गुजर रही है, जिससे उनके परिवार के जान-माल पर लगातार खतरा बना हुआ है। बरसात और तेज हवाओं के दौरान किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है। समिति ने इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए विभाग से शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता ने मामले का जल्द निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई कराने का सकारात्मक आश्वासन दिया। समिति के प्रदेश संगठन मंत्री पंकज हेमराजानी ने बताया कि ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट अशोक जैन, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र कुमार मारू, युवा प्रदेशाध्यक्ष अनिल पारीक, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सरगरा, एडवोकेट रतनलाल चंदेल तथा एडवोकेट ओमप्रकाश तेली उपस्थित रहे।

पूर्व चेयरमैन जफर टांक बने कोटा संभाग प्रभारी

अल्पसंख्यक कांग्रेस ने संगठन विस्तार को लेकर जारी की नई जिम्मेदारियां

भीलवाड़ा फोकस @ मांडलगढ़।

राजस्थान अल्पसंख्यक कांग्रेस के संगठन को प्रदेश स्तर पर सशक्त बनाने की दिशा में राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी एवं प्रदेश अध्यक्ष एम.डी. चोपदार द्वारा संभाग प्रभारियों, जिला प्रभारियों एवं सह-प्रभारियों की नई सूची जारी की गई है। इसमें मांडलगढ़ नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष एवं राजस्थान अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष जफर टांक को कोटा संभाग प्रभारी नियुक्त किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार जफर टांक को कोटा संभाग के कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिलों में संगठन को मजबूत करने, बूथ स्तर तक संगठन का विस्तार करने, नई कमेटियों के गठन तथा अल्पसंख्यक समाज से जुड़े मुद्दों को पार्टी मंच तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जफर टांक लंबे समय से कांग्रेस संगठन से जुड़े हुए हैं। वे मांडलगढ़ नगर पालिका के चेयरमैन रह चुके हैं तथा वर्तमान में प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पार्टी नेतृत्व ने उनके संगठनात्मक अनुभव और जमीनी कार्यशैली को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति पर जफर टांक ने राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी एवं प्रदेश अध्यक्ष एम.डी. चोपदार सहित पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे तथा कोटा संभाग में पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगे।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।